om-10_Page 1 and 2 18-08-2014 10:03 Page 4

ईश्वरीय सेवा के साथी दादी मनोहर इन्द्रा,गंगे दादी,रतनमोहिनीदादी,हृदयमोहिनी दादी,जानकी दादी,दादी प्रकाशमणि,दादी निर्मलशांता,दादी चंद्रमणि।

अपनी नेचर को बच्चों की नेचर के साथ मिलाएं

प्रश्न:- सच में अगर हम देखें या अनुभव करें कि मुझे जब काम करवाना पड़ता है तो कैसा लगता है। ऐज ए मदर आलसो और अगर मैं बॉस के रूप में सोचूं। मतलब कि वो करवाना भी बड़ा मुश्किल होता है। जो रोज तय किये हुए हैं अगर हम सबकी इच्छाओं का सम्मान करके बनाये गये हैं तो उसके लिए हमें इन फोर्स नहीं करना पड़ेगा।

उत्तर:- वो नैचुरल हो जायेगा। हम घर से प्रारम्भ करते हैं, ऑफिस को अगले स्टेप में देखते हैं। लेकिन अगर हम घर में हरेक की राय लेकर ये कोशिश करना शुरू करें तो सबकी यही फीलिंग होगी कि हम सभी मिलकर बना रहे हैं। तो आपको कभी ये चेक नहीं करना पड़ेगा कि जो नियम बनाए गये हैं उसका पालन हो रहा है या नहीं हो रहा है क्योंकि वो नियम बच्चे ने खुद बनाया है। वो नियम अब सिर्फ आपके लिए लागू नहीं हो रहा है। वो इसलिए पालन कर रहा है क्योंकि उसने खुद बनाया है। देखो जब पटाखें, सरकार ने कहा कि अच्छा नहीं है, प्लास्टिक दिल्ली की सरकार ने कहा कि अच्छा नहीं है, हमारे से ज्यादा अच्छे तो वो बच्चें उसको पालन कर रहे हैं, क्यों? क्योंकि स्कूल में उनको वो समझाया गया, उससे हमें क्या-क्या हानि होती हैं और चिल्ड्रेन आर वेरी गुड, क्योंकि वे इसके महत्व को अच्छी तरह से समझते हैं। हर कोई इसे पसंद करता है कि मुझे अच्छा समझाया गया फिर मुझे इसके बारे में बताया गया। आपको क्या लगता है? अगर आप घर में बोल देते हैं कि चाहे कुछ भी हो जाये पटाखें नहीं चलाने हैं, कोई नहीं मानेगा बच्चा अपने दोस्तों के साथ जाकर छुपकर चलायेगा।

प्रश्न:- सबसे ज्यादा तो स्कूल में चलाते हैं फिर घरों में छुप-छुपकर चलाते हैं।

उत्तर:- ठीक है। जहां उसको सही और गलत समझने की अवेयरनेस लायी गई है फिर उनको बताया गया कि आपको क्या लगता है, हमें क्या करना चाहिए? निर्णय बच्चों को लेने दीजिए। आप एक छोटे बच्चे से भी जो दो साल, तीन साल या चार साल के बच्चें से भी उसके स्तर की बात करेंगे ना तब बच्चा समझता है कि सही और गलत क्या है। अगर बच्चा कुछ गलत कर भी रहा है, अगर उसको हम कहें कि ये नहीं करना है। वह इसे पसंद नहीं करता है। वह फिर भी करेगा क्योंकि अभी तक उसने स्वीकार नहीं किया है कि इसे क्यों नहीं करना है। आप बार-बार बोलो नहीं करना है...नहीं करना है, फिर भी वह बार-बार उसी काम को करेगा। फिर आप कितना बोलेंगे और आज का वातावरण ऐसे ही हो गया है कि फिर हमें बच्चों पर बहुत ज्यादा ध्यान रखना पड़ता है। ठीक है, घर पर आपने कोई चीज जबरदस्ती बोल दी कि ये मत पढ़ो, ये मत देखो, इन लोगों से ऐसी बात मत करो। हमलोग कहते हैं आजकल बहुत कुछ हो रहा है सोसायटी में, बाहर जाने के बाद आप क्या करेंगे? क्या उसे चेक करेंगे? वो बच्चा कम्प्यूटर पर बैठा है, आप क्या हर समय उसे देखते रहेंगे। आप कितना समय खड़ें रहेंगे चेक करने के लिए कि वो क्या देख रहा है, क्या नहीं देख रहा है। आप जितना इस तरह से उसे जबरदस्ती नियम में बांधेंगे तो उनके अंदर और भी ज्यादा आयेगा कि हमें वो करना ही है। लेकिन समझदारी के साथ, अवेयरनेस के साथ, गंभीरता के साथ उसके साथ बात करेंगे तो उसे आप सशक्त करेंगे। फिर वो खुद को अपने 'कोड ऑफ कॉन्डक्ट' में डालेंगे। एक है मैं आपका 'कोड ऑफ कॉन्डक्ट' का पालन करूं और एक है आपका 'कोड ऑफ कॉन्डक्ट' मेरे 'कोड ऑफ कॉन्डक्ट' की लिस्ट में आ जायें। तो फिर उसे पालन करना आसान हो जायेगा।

ब्र.कु. शिवानी

प्रश्न:- और सबसे बड़ी बात है, वो उसका हुआ ना, तो मेरी उससे अपेक्षा यहां पर खत्म हो जाती है।

उत्तर:- कितनी सारी चीज हो गयी। एक तो मैंने आपके 'कोड ऑफ कॉन्डक्ट' को समझा, उसे अपनाया। एक बार मैंने अपनाया, मैंने अपने लिए उसको किया, क्यों? क्योंकि मुझे करना अच्छा लगता है। और दूसरा अगर मैं किसी कारण से नहीं भी कर पायी तो आप दु:खी नहीं होंगे। क्योंकि मैं आपके लिए नहीं कर रही थी। मैं इसे अपने लिए कर रही थी। पति-पत्नी का, माता-पिता का, बच्चों का, यह बहुत ज्यादा दवाब है। आज बच्चे बहुत ज्यादा दवाब के अंदर हैं कि हमें पैरेंटस के लिए यह सब कुछ करना पड़ता है। जब हम अपनी अपेक्षा की लिस्ट बनाते हैं तो उसमें भी हमारी अपेक्षा यही होती है कि मैं स्वयं ही सारा काम खत्म कर लूं। क्योंकि मैं बच्चों के सामने अच्छा बनना चाहता हूँ। जब भी हम अपनी अपेक्षाओं की लिस्ट बनायें तो हमारी पहली अपेक्षा जो अपने आपसे होनी चाहिए वो है 'खुशी'। ये सारी जो अपेक्षाओं की लिस्ट है आप ऐसा करो, आप ऐसा बोलो, मौसम ठीक रहे, ट्रैफिक ज्यादा नहीं हो, ये किसलिए है सारा कुछ, क्योंकि ये सब चीजें जब होंगी तब मेरा मन कैसा रहेगा? 'शांत' रहेगा। जब इनमें से कोई भी चीज डिस्टर्ब होती है तब मेरा मन अशांत हो जाता है। -क्रमश

एज्युकेशन विंग

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के एज्युकेशन विंग द्वारा 14 से 18 नवम्बर- 2014 , तक 'टाइम टू रिसीव गॉड्स पावर फोर ग्रेट ट्रान्सफोर्मेशन' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय महासमेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस कॉन्क्रेन्स में मुख्य वी.आई.पीज़ जैसे गवर्नर्स, मिनिस्टर्स, जजेज़, एम.पीज़, एम.एल.एज़, मेयर, काउण्सलर्स, आई.ए.एस., आई.पी.एस., रिलिजियस लीडर्स, टॉप इंडस्ट्रियलिस्ट्स, स्पोर्ट्स पर्सन, फिल्म एंड टी.वी.स्टार तथा संबंधित गणमान्य व्यक्ति भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें। ब्र.कु. मृत्युंजय,एक्ज़ीक्युटीव सेक्रेटरी।
फोन : 9414152358 , Email: bkiccf@gmail.com

समाज सेवा प्रभाग

27 फरवरी से 3 मार्च 2015 तक शान्तिवन में एक अखिल भारतीय समाज सेवा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिसमें समाज सेवा से जुड़े हुए समाजसेवी संगठन जैसे कि रोटरी, लायन्स, जेसी, जेंटस क्लब, विभिन्न सामाजिक स्वयंसेवी संगठन के पदाधिकारी डेलिगेट्स के रूप में सादर आमंत्रित हैं। अधिक जानकारी के लिए :- -09414153737, E-mail -socialwing@bkivv.org

स्पार्क विंग

ब्रह्माकुमारी संस्था के स्पार्क विंग द्वारा 'फोस्टेरिंग रिसर्च टू बिल्ड वैल्यु बेस्ड सोसायटी' विषय पर कॉन्क्रेन्स व मेडिटेशन रिट्रीट का आयोजन 12 से 16 सितम्बर-2014 तक शांतिवन परिसर में किया जा रहा है। इस कॉन्क्रेन्स में सभी रिसचर्स भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
M-9414003497, sparc@bkivv.org

आगामी कार्यक्रम

साइंटिस्ट एंड इंजीनियर्स विंग

ब्रह्माकुमारी संस्था के साइंटिस्ट एण्ड इंजीनियर्स विंग द्वारा कॉन्क्रेन्स का आयोजन 02 से 06 जनवरी -2014,तक शान्तिवन परिसर में किया जा रहा है। इस कॉन्क्रेन्स में इंजीनियर्स, साइंटिस्ट्स, मैनेजर्स, टेक्नोक्रेट्स, इंटरप्रेनर्स, एच.आर.डी. पर्सनल, संबंधित प्रोफेशनल्स, इंजीनियरिंग, पॉलिटेकनीक, मैनेजमेंट तथा साइंस कॉलेज व यूनिवर्सिटीज़ के प्रोफेसर्स भाग ले सकते हैं। साथ ही साइंटिस्ट एंड इंजीनियर्स विंग के आजीवन सदस्य भी भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:- ब्र.कु. मोहन सिंघल,कॉन्क्रेन्स सेक्रेट्री एंड नेशनल कोऑर्डिनेटर।
फोन-02974-228101 से 228108
E-mail - sew.shantivan@gmail.com, bksew@bkivv.org,bkacademy@gmail.com

एडमिनिस्ट्रेटर्स विंग

ब्रह्माकुमारी संस्था के एडमिनिस्ट्रेटर्स विंग द्वारा कॉन्क्रेन्स का आयोजन 12 से 19 नवम्बर -2014,तक शांतिवन परिसर में किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:- ब्र.कु. हरीश,मुख्यालय संयोजक फोन - 9414154847 bkharishabu@gmail.com,
E.mail-administratorswing@bkivv.org,

मीडिया विंग

ब्रह्माकुमारी संस्था के मीडिया विंग द्वारा 'ट्वार्ड्स पॉज़ीटिव ट्रांसफोर्मेशन-रोल ऑफ मीडिया' विषय पर 19 से 23 सितम्बर -2014,तक शांतिवन परिसर में कॉन्क्रेन्स का आयोजन किया जा रहा है। इस कॉन्क्रेन्स में प्रीन्ट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, फिल्म, पब्लिसर्श, एडीटर्स व रिपोर्टिंग स्टाफ तथा मीडिया से संबंधित प्रोफेशनल्स भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-फोन:-941415661599287556615, 8426040615,941338488,E.mail- mediawing@bkivv.org

कला-संस्कृति प्रभाग

ब्रह्माकुमारी संस्था के कला-संस्कृति प्रभाग द्वारा 'मूल्यनिष्ठ कला-संस्कृति हेतु परमात्म शक्ति की प्राप्ति का समय' विषय पर 12 से 16 सितम्बर-2014, तक मनमोहिनीवन कॉम्प्लैक्स (शान्तिवन) परिसर में सांस्कृतिक सम्मेलन एवं रजत जयन्ती समापन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में फिल्म जगत से जुड़े सभी कलाकार, साहित्यकार, चित्रकार, नगर नियोजक, फैशन-डिज़ाइनर्स, हस्तकला, पॉलिटेकनीक इंस्टीच्यूट्स के प्रिंसीपल, शिक्षक तथा सम्बंधित व्यक्ति भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-ब्र.कु. कुसुम, राष्ट्रीय संयोजक,कल्चरलविंग,फोन - 09422175053
ब्र.कु. दयाल व ब्र.कु. सतीश, मुख्यालय संयोजक
फोन - 9828699737, 9414158745
E.mail - artandculturewing@gmail.com

डब्ल्यु.सी.सी.पी.सी.आई.का अन्तर्राष्ट्रीय महासमेलन

डब्ल्यु.सी.सी.पी.सी.आई. द्वारा 05 से 07 सितम्बर-2014, तक शांतिवन परिसर में कैड कॉन्क्रेन्स का आयोजन किया जा रहा है। इस कॉन्क्रेन्स में कन्सल्टेन्ट कार्डियोलॉजिस्ट (डी.एम), फिज़ीशियन (एम.डी. मेडिसिन), पेडियाट्रिशियन्स (चाइल्ड स्पेशियलिस्ट), कार्डियक सर्जन, हेड ऑफ डिपार्टमेंट एंड प्रोफेसर्स, मॉडर्न मेडिसिन प्रोफेशनल्स जो मेडिकल साइंस में आध्यात्मिकता के समावेश से सहमति रखते हैं तथा सम्बंधित व्यक्ति भाग ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:-डॉ. सतीश कुमार गुप्ता, सेक्रेट्री जेनरल,डब्ल्यु.सी.सी.पी.सी.आई.
फोन - 9785098534, 8386057753, 7568075133, 2974-228880Email - 3dhealthcare@gmail.com